हिन्दी पाठ-८

मातृभाषा-हिन्दी

कक्षा-८

सर्वशिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

शिक्षक शिक्षा निदेशालय तथा राज्य शैक्षिक
अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ,
ओड़िशा, भुवनेश्वर

ओड़िशा प्राथमिक शिक्षा
कार्यक्रम प्राधिकरण,
भुवनेश्वर

हिन्दी पाठ - ८

मातृभाषा - **हिन्दी**

कक्षा - ८

पाठ्य पुस्तक निर्माण समिति

डॉ. ज्योति मिश्र (पुनरीक्षक)

डॉ. विजय कुमार बेहेरा

डॉ. शांति कुमारी नायक

श्री अशोक कुमार सा

संयोजना - श्री राजकिशेर चैधुरी

डॉ. तिलोत्तमा सेनापति

प्रकाशक - विद्यालय और गणशिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार

संस्करण - **२०११**

२०१७

मुद्रण - पाठ्यपुस्तक उत्पादन और विक्रय, भुवनेश्वर

प्रस्तुति - शिक्षक शिक्षा निदेशालय तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ओड़िशा, भुवनेश्वर

आइए, ऐसा करें :

इस नए पाठ्यक्रम में कई तब्दिलियाँ की गई हैं। पहली है दृष्टिकोण में भिन्नता। अब शिक्षक शिक्षा प्रदान करने की तुलना में विद्यार्थी द्वारा स्वयं सीखने के प्रयास पर जोर दें। भाषण कम करें। विद्यार्थीयों को बोलने का मौका दें। उदाहरणार्थ-स्वयं गद्य / पद्य का आदर्श वाचन कर दें, फिर विद्यार्थियों द्वारा उस कार्य को करायें। लेखनशैली बता दें, फिर लिखवाएँ। वाद-विवाद, तर्कसभा, नाटकीय संवाद आदि अधिक करवाएँ । लघु निबंध, छोटे - छोटे अनुच्छेद-लेखन, पत्र, आवेदन पत्र, सरकारी दफ्ततरों में प्रचलित पत्रों आदि पर अभ्यास कराया जाए।

दूसरी बात है-भाषा-शिक्षण पर अधिक बल देना है। इसलिए हर पाठ के उपरांत लंबी अनुशीलनियाँ दी गई हैं। उनके आधार पर शिक्षक आपनी तरफ से भी नई प्रश्न-शैलियों का प्रयोग कर सकते हैं और विद्यार्थीयों द्वारा अभ्यास करवा सकते हैं। फिर साहित्य पर ध्यान दें। इससे बच्चों की रुची परिमार्जित होती है और मानवीय - वृत्तियों का पोषण - पल्लवन होता है।

तीसरी बात है - मूल्यांकन - शैली में परिवर्तन। विद्यार्थीयों के मस्तिष्क से परीक्षा का भय दूर किया जाए। पाठ को रटने की अपेक्षा सृजनात्मक, व्यक्तिगत लेखन अधिक महत्व रखता है। साल में दो-एक परीक्षा के महत्व को कम करके तात्कलिक / सावधिक परीक्षाएँ अधिक संख्या में हों। सबका भुल्यांकन अंतिम परिणाम में प्रतिफलित हो।

शिक्षको सें अनुरोध है कि वे पाठ्यपुस्तक को पहले देख लें, इसके दृष्टिकोण, कर्म, कार्य-शैली का अनुध्यान करके अपनी श्क्षा-शैली बनाएँ । शिक्षक तथा विद्यार्थीयों की सक्रियता से भाषा - शिक्षण सरस होता है।

हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा है। इसे सीखना प्रत्येक नागरिक का सांवैधानिक कर्तव्य है। यह सारे देश के जन - जन में योगसूत्र स्थापित करने की भाषा है। इसे सीखने में रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट आदि आधुनिक माध्यमों का भी उपयोग किय जाए। क्योंकि ये शिक्षण के सरल साधन हैं। यह पाठ्यपुस्तक इन सभी का आधार प्रस्तुत करती है।

शिक्षकों, अभिभावकों के सहयोग और साधनों के उपयोग से हिन्दी भाषा का अध्ययन काफी सरस हो सकता है।

विषय - सूची

भाग-1

क्रम सं.	पाठ	विधा	कवि / लेखक	पृष्ठ
		पद्य विभाग		
१.	मातृवंदना	कविता	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	१
२.	कबीर की साखियाँ	कविता	कबीरदास	४
३.	बाललीला वर्णन	कविता	सूरदास	८
४.	रहीम के दोहे	कविता	रहीम	११
५.	मीरा के पद	कविता	मीराबाई	१४
६.	इसे जगाओ	कविता	भवानी प्रसाद मिश्र	१७
७.	जग जीवन	कविता	सुमित्रा नंदन पंत	२१
८.	भूल गया है क्यों इनसान	कविता	हरिवंशराय बच्चन	२४
		गद्य विभाग		
९.	सत्साहस	निबंध	गणेश शंकर विद्यार्थी	२७
१०.	एक पत्र : इंदिरा के नाम	पत्र	जवाहर लाल नेहरू	३२
११.	गिल्लू	संस्मरण	महादेवी वर्मा	३६
१२.	बिरसा मुंडा	जीवनी	श्याम सिंह शशि	४३
१३.	कंप्यूटर क्रांति	वैज्ञानिक निबंध	डॉ. आर. सी. मांगलिक	४८
१४.	बूढ़ी काकी	कहानी	प्रेमचंद	५३
		पूरक अध्ययन		
१५.	अपराजिता	संस्मरण	शिवानी	६३
१६.	हार की जीत	कहानी	सुदर्शन	६९
१७.	तीन दोस्त	कहानी	मोहन राकेश	७५

भाग-2 : भाषा ज्ञान

(i) लिंग, अव्यय, क्रिया, विशेषण, विभिन्न क्रियाओं का विश्लेषण ८१

(ii) शब्द ज्ञान : पर्यायवाची, अनेकार्थक, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द

भाग-3 : पत्र - लेखन

आवेदन पत्र, व्यापारिक पत्र, पुस्तक मंगाने से सम्बन्धित पत्र ९९

भाग-4 : निबंध - लेखन

मूल्यबोध संबंधी, राष्ट्रीय एकता संबंधी, पर्व और त्योहार संबंधी १०९